SYLLABUS FOR UNDERGRADUATE

COURSE IN HINDI

HINDI

FOUR YEAR HONS. WITHOUT RESEARCH

UNDER CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

Programme Outcome (PO)

The course has been developed for the total upliftment of Hindi Department.

PO1. Able to get a complete overview of Hindi literature.
PO2. Enhancement of proficiency in Hindi literature and develop literary skill.
PO3. Become eligible for professional course/training such as B.Ed. Translation course etc.
PO4. Can learn about different poetic forms and other literary forms.
PO5. Develop analytic capability in prose and poetry. Also develop analytical and reasoning skill.
PO6. Learn different forms of Hindi language such as Rajbhasa, Rastrabhasa and linguistic.
PO7. Get knowledge of history of Hindi literature from Ancient to modern period.
PO8. Proficiency to qualify competitive professional Exam.
PO9. Develop knowledge in feminism and dalit ,tribal Discourse, Environment and disaster management
PO10. Get knowledge of computer application and official language Hindi.

We having rich heritage in Bharat. Through this course of studies they can understand and realise their culture, heritage and history very nicely and develop their personality accordingly. Our history says through this Hindi language we fought for independence and there are so many incidences where this languge has been taken a major role. In present days globalised market Hindi Language has become very much powerful. We have developed a special language for that which is called VIGYAPAN KI BHASHA for trade this has become very much helpul in our country. In this multilingual country Hindi has a biggest role to unite everyone through Sampark Bhasha.

SEMESTER- I

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास (भाग - 1)

Credit-04
Classes-60 hours

Total marks-100
MS+CE=20+20=40
End term-60

COURSE OUTCOME:

This paper represents the entire scenario of 1000-1375 Samvat of social changes reformation, culture and history of India.

UNIT - I

हिन्दी साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रन्थ (केवल परिचय), काल विभाजन एवं नामकरण ।

UNIT - II

आदिकाल की पृष्ठभूमि, आदिकाल के प्रमुख कवि, आदिकाल की प्रमुख रचनाएँ, आदिकाल की प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ।

UNIT - III

भक्तिकाल की पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियाँ, निर्गुण काव्यधारा (ज्ञान मार्ग एवं प्रेम मार्ग) निर्गुण काव्यधारा के प्रमुख कवि एवं रचनाएँ।

सगुण काव्यधारा की प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ, रामभक्ति शाखा, कृष्णभक्ति शाखा, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ।

UNIT - IV

रीतिकाल की पृष्ठभूमि, रीति काव्य का परिचय, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ, प्रवृत्तियाँ

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास -आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
   नागरी प्रचारणी सभा, काशी
2. हिन्दी साहित्य का उदभव और विकास -आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह
4. भक्ति काव्य और लोक जीवन - शिवकुमार मिश्र
5. Social Life and concepts in Medieval Hindi Bhakti Poetry - Dr. Savitri Chandra
6. भारतीय चिंतन परंपरा - के. दामोदरन
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास -लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
8. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास -डा. रामकुमार वर्मा

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

COURSE LEARNING OUTCOME:

After reading this paper, student should have:

- the knowledge on prominent books of history of Hindi Literature.
- the knowledge of ancient period of Hindi Literature, prominent poets and trends simultaneously they can understand our ancient history and great warriors and kings.
- the knowledge about the bhakti period and its trends. And know the cause why the society of this century has suddenly turned towards bhakti trends.
- Learn about the background of Ritikaal and its poets and trends, to satisfy the patron king poetry was mostly written either in Sringar Rasa or to advise them politely not to take any wrong action.

SEMESTER-II

2. मध्यकालीन हिंदी कविता

(निर्गुण एवं रामभक्ति काव्यधारा)

Credit-04
Classes-60 hours

Total marks-100
MS+CE=20+20=40
End term-60

COURSE OUTCOME:

As we see many religions in bhakti tends through Indian Philosophy were spread over in this country. In Hindi, poets has taken up those trends and presented the books to the society as per requirement. Students can be able to understand the history and philosophy of India in a creative way.

UNIT – I

निर्गुण भक्ति काव्य का स्वरूप, ज्ञानमार्ग और प्रेम मार्ग, रामभक्ति काव्य का स्वरूप, प्रमुख कवि और प्रवृत्तियाँ

UNIT – II

कबीर -पद संख्या :-

2. रहना नहिं देस बिराना है
4. साधो, देखा जग बौराना
5. तोको पीव मिलेंगे

साखी - पद संख्या (1 से 21)

UNIT-III

मलिक मुहम्मद जायसी -नागमती वियोग –वर्णन (पद संख्या 1 से 15)

UNIT – IV

तुलसी दास -भरत महिमा (पद संख्या 1 से 14)

पाठ्य पुस्तक:

1. हिन्दी काव्य संग्रह, सं. रामवीर सिंह, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

सहायक ग्रंथ :

1. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य -मैनेजर पाण्डेय

2. हिंदी सूफी काव्य की भूमिका -रामपूजन तिवारी।

3. राष्ट्रीय एकता, वर्तमान समस्याएँ और भक्ति साहित्य -कैलाश नारायण तिवारी

4. कबीर की विचारधारा -गोविंद त्रिगुणायत

5. भक्ति काव्य यात्र -रामस्वरूप चतुर्वेदी

6. तुलसीदास -रामचन्द्र शुक्ल

7. कबीर -हजारी प्रसाद द्विवेदी

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

COURSE LEARNING OUTCOME:

After reading this paper, student should have:

- Learn about the poetry of bhaktikaal.
- They can learn about poetry of Kabir Das.
- They can learn about the Sufi poetry.
- Can learn poetry of Tulsi Das..

SEMESTER-III

3.कृष्णभक्ति एवं रीतिकालीन हिन्दी कविता

Credit-04 Total marks-100
Classes-60 hours MS+CE=20+20
End term-60

COURSE OUTCOME:

This paper aims at making the student aware of Krishna Bhakti Poetry and it's prominent poet namely Raskhan, Bihari and Ghananand.

UNIT - I

कृष्णभक्ति काव्य का स्वरूप, कृष्ण भक्ति के प्रमुख कवि :
सूरदास : विनय के पद-1 से 5
भ्रमरगीत- 6 से 13

UNIT – II

रसखान- पद
3- मानुष हैं तो वही
4- या लकुटि और कमरिया
6- सेस गनेस महेस
10- मोरपखा परि उपर
12- कान्ह भये बस बाँसुरी के

मीरा - 1. बसो मोरे नैनन में नंदलाल
3. माई री! मैं तो लियो गोविन्दो मोल
6. दरस बिन दूखण लागे नैण
8. कोई कहियौरे ! प्रभु आवण की
9. मेरे तो गिरिधर गोपाल दूसरो न कोई

UNIT -III

बिहारी : भक्ति, ऋतु वर्णन, एवं नीति के दोहे (1 से 26)

UNIT - IV

घनानन्द: प्रेम साधना, प्रेम की अनन्यता, उपालंभ के पद (1, 2, 3, 4 और 5)

पाठ्य पुस्तक:

1. हिन्दी काव्य संग्रह, सं. रामवीर सिंह, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

सहायक ग्रंथ :

1. रीतिकाव्य की भूमिका	-डॉ. नरेन्द्र
2. हिंदी साहित्य का उत्तर मध्यकाल	-महेन्द्र कुमार
3. बिहारी	-विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. धनानन्द और स्वच्छन्द काव्य धारा	-मनोहर लाल गौड़

अंक विभाजन

- '**क**' **विभाग**: **छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- '**ख**' **विभाग**: **पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- '**ग**' **विभाग**: **पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- '**घ**' **विभाग**: **पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

COURSE LEARNING OUTCOME:

After reading this paper, student should have:

- The Knowledge about the Krishna Bhakti Poetry and it’s prominent poet.
- The Knowledge about the poetry of Raskhan.
- The Knowledge about the poetry of Biharilal.
- The Knowledge about the poetry of Ghananand.

SEMESTER-III

4.हिन्दी साहित्य का इतिहास (भाग 2)

Credit-04
Classes-60 hours

Total marks-100
MS+CE=20+20=40
End term-60

COURSE OUTCOME:

To know about the Patriotic Poets, writers and about the warriors who fought for the independence in different ways. In changing sinario students will learn the changing varieties of literature and its different aspects.

UNIT-1

आधुनिक काल की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनैतिक पृष्ठभूमि। गद्य का उद्भव एवं विकास। खड़ीबोली का साहित्य ।

UNIT - II

भारतेंदु युगीन काव्य, द्विवेदी युगीन काव्य तथा छायावादी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

UNIT - III

गद्य की प्रमुख विधाओं का विकास :

क) कहानी का उद्भव और विकास
ख) उपन्यास का उद्भव और विकास

UNIT - IV

क) नाटक, एकांकी, निबंध (उद्भव और विकास)

ख) अस्मिता विमर्श -दलित, स्त्री, आदिवासी विमर्श

सहायक ग्रंथ :

1. .हिन्दी साहित्य का इतिहास -आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, काशी

2. हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास -आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास -डॉ. बच्चन सिंह

4. हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी -नन्द दुलारे वाजपेयी, इलाहाबाद

5. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ -रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली

16. हिन्दी दलित साहित्य -मोहनदास नैमिशराय साहित्य अकादेमी ।

7. अस्मितामूलक विमर्ष और हिंदी सहित्य -डॉ. रजत रानी 'मीनू', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

8. समकालीन हिन्दी साहित्य : विविध विमर्श -प्रो. श्रीराम शर्मा

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

COURSE LEARNING OUTCOME:

After reading this paper, student should have.

- the knowledge about the social cultural and political background of modern period and development of khadiboli hindi.
- the knowledge about the trends of Bhartendu and Dwivedi period poetry and chhayawadi poetry.
- the knowledge about the development of Hindi Novel and short story .
- the knowledge about the origin and development of Drama, One act play as well as various discourse -feminism, dalit and tribal.

SEMESTER-III

1. अनुवाद सिद्धान्त और प्रयोग

Credit-04
Classes-60 hours

Total marks-100
MS+CE=20+20=40
End term-60

COURSE OUTCOME:

In present days translation plays a major role in literature and all other subjects for the development of the country in different aspects. In this paper students will learn different dimensions and forms of translation.

UNIT - I

अनुवाद की परिभाषा एवं स्वरूप, अनुवाद के क्षेत्र, अनुवाद कला अथवा विज्ञान ।

UNIT - II

अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि , अनुवाद तथा समतुल्यता का सिद्धान्त

UNIT - III

अनुवाद के प्रकार: साहित्यिक अनुवाद (भाषा अनुवाद), कार्यालयी अनुवाद, सारानुवाद, भावानुवाद

UNIT - IV

व्यावहारिक अनुवाद : (कौशल विकास)

(क) किसी अंग्रेजी अवतरण का हिन्दी में अनुवाद।
(केवल कार्यालयी अनुच्छेद ही दिए जाएंगे)
(ख) किसी हिन्दी अवतरण का अंग्रेजी में अनुवाद।
(केवल कार्यालयी अनुच्छेद ही दिए जाएंगे)

(विद्यार्थी कार्यालयी हिंदी पर अनुवाद कार्य करेंगे और विभाग में जमा करेंगे)

सहायक ग्रंथ :

1. अनुवाद के भाषिक सिद्धान्त -कैटफोट

2. अनुवाद प्रविधि -प्रो. बालेन्दु शेखर तिवारी

3. अनुवाद के सिद्धांत -आर. आर. रेड्डी

4. अनुवाद: प्रक्रिया एवं प्रयोग -छबिल कुमार मेहेर

5. अनुवाद विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी

6. अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृष्य -रीतारानी पालीवाल

7. अनुवाद सिद्धांत -डॉ. अमूल्य रत्न महांती
कल्याण पब्लिशर्स नई दिल्ली

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

COURSE LEARNING OUTCOME:

After reading this paper, student should have.

- the knowledge about the field of translation.
- the knowledge about the different process of translation.
- the knowledge about the type of translation.
- the practical knowledge of translation from Hindi to English and vice-versa.

SEMESTER-IV

1. कार्यालयी हिन्दी

Credit-04
Classes-60 hours

Total marks-100
MS+CE=20+20=40
End term-60

COURSE OUTCOME:

With Official language (Hindi) learning, the student will be used to in official language i.e. official latter writing, noting, drafting etc. and will able to know computer learning which is very much essential now a days

UNIT - I

राजभाषा हिन्दी संवैधानिक प्रावधान राजभाषा, अष्टम अनुसूची, राजभाषा : अधिनियम 1963 राजभाषा नियम 1976

UNIT - II

टिप्पण एवं आलेखन :

टिप्पण: स्वरूप, टिप्पण की प्रक्रिया एवं उद्देश्य,

प्रारूपलेखन: स्वरूप एवं परिचय, प्रारूप तैयार करने की विधि, प्रारूप लेखन की रूपरेखा, प्रारूप लेखन के क्षेत्र ।

संक्षेपण: परिभाषा, संक्षेपण की प्रक्रिया एवं भेद,

पत्रलेखन: अर्थ एवं स्वरूप, पत्रलेखन की विशेषताएँ सरकारी पत्रों के प्रकार ।

UNIT - III

कंप्यूटर में हिन्दी का अनुप्रयोगः

कंप्यूटर: अर्थ, स्वरूप एवं परिभाषा, कंप्यूटर के मुख्यभाग, कंप्यूटर प्रणाली, कार्यालयों में कंप्यूटर का प्रयोग ।

प्रशासनिक शब्दावली - प्रमुख शब्द, प्रमुख वाक्यांश तथा पदनाम ।

UNIT – IV

कौशल विकास: पत्रलेखन

सरकारी पत्र , अर्द्धसरकारी पत्र , निजी पत्र लेखन

(विद्यार्थी इन पत्रों के नमूने प्रस्तुत करेंगे और विभाग में जमा करेंगे)

सहायक ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी : संरचना और अनुप्रयोग - रामप्रकाश, दिनेशपुप्त

2. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त और प्रयोग - दंगल झाल्टे, वाणी, दिल्ली

3. प्रयोजनमूलक हिन्दी - विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

COURSE LEARNING OUTCOME:

After reading this paper student should have.

- the knowledge about constitutional provisions of official language Hindi.
- the knowledge of noting, drafting, abstract writing and letter writing.
- the knowledge about application of computer in Hindi language.
- the knowledge about administrative terminology.

SEMESTER-IV

7. हिन्दी कथा साहित्य (कहानी)

Credit-04
Classes-60 hours

Total marks-100
MS+CE=20+20=40
End term-60

COURSE OUTCOME:

Story is a very popular form of Hindi literature. Students will develop their language and literature skills simultaneously can know the historical and cultural aspects of India through these given stories.

UNIT - I

1. उसने कहा था- चंद्रधर शर्मा गुलेरी
2. पूस की रात- प्रेमचंद
3. पुरस्कार- प्रसाद
4. मुगलों ने सल्तनत बख्श दी- भगवतीचरण वर्मा

UNIT - II

5. वापसी- उषा प्रियंवदा
6. कलाकार- राजेन्द्र यादव
7. मानसरोवर के हंस- कमलेश्वर
8. भोलाराम का जीव- हरिशंकर परसाई

UNIT - III

9. रानी माँ का चबूतरा- मन्नू भंडारी

10. पोष्टमैन- शैलेश मटियानी

11. पंचलाईट- फणीश्वरनाथ रेणु

12. खेल- जैनेन्द्र कुमार

UNIT - IV

कौशल विकास

(विद्यार्थी को एक निश्चित विषय और रूपरेखा दिए जाएंगे । उस पर कहानी लिखना होगा और विभाग में जमा करना होगा)

पाठ्य पुस्तक:

1. आधुनिक कहानी संग्रह
   सं. सरोजिनी शर्मा, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

सहायक ग्रंथ :

1. कहानी नवी कहानी -नामवर सिंह

2. नयी कहानी की भूमिका -कमलेश्वर

3. हिंदी कहानी का इतितस -गोपाल राय

4. कहानी स्वरूप एवं संवेदना - राजेन्द्र यादव

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)

- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

COURSE LEARNING OUTCOME:

After reading this paper, student should have:

- the knowledge about short stories of Chandradhar Sharma Guleri, Premchand, Prasad and Bhagbaticharan Verma.
- the knowledge about short stories of Usha Priyamvada, Rajendra Yadav, Kamleshwar and Harishankar parsai.
- the knowledge about short stories of Manu Bhandari, Shailesh Mtiyani,Fanishwarnath Renu and Jainendra.
- practical knowledge of writing of stories.

SEMESTER-IV

8. साहित्य और सन्दर्भ : विविधवाद

Credit-04
Classes-60 hours

Total marks-100
MS+CE=20+20=40
End term-60

COURSE OUTCOME:

As per the requirement of the society different 'ism' has been developed and by using these theories literature also has become rich , so it is very much essential for the students to have basic knowledge on this.

UNIT - I

(1) यथार्थवाद

(2) आदर्शवाद

UNIT – II

(3) गांधीवाद

(4) मार्क्सवाद

UNIT - III

(5) स्वच्छंदतावाद

(6) अस्तित्ववाद

UNIT – IV

(7) बिंब, फैंटसी

(8) मिथक, प्रतीक

अनुमोदित ग्रंथ:

1. हिन्दी आलोचना - डॉ. सदन कुमार पाल, शवनम पुस्तक महल, कटक

2. भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिन्दी आलोचना - डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, काशी

3. आलोचना से आगे - सुधीश पचौरी

4. हिन्दी आलोचना के बीज शब्द - डॉ. बच्चन सिंह

5. हिन्दी आलोचना का विकास - नन्दकिशोर नवल

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

COURSE LEARNING OUTCOME:

After reading this paper, student should have.

- the knowledge about the Realism and Idealism.
- the knowledge about the Gandhism and Marxism.
- the knowledge about the Romanticism and Existentalism.
- the knowledge about the Image, Fantasy, Myths and Symbol in literature.

SEMESTER-V

9. हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास)

Credit-04
Classes-60 hours

Total marks-100
MS+CE=20+20=40
End term-60

COURSE OUTCOME:

Students will develop their language and literature skills through the Hindi.

UNIT- I

हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास, प्रेमचन्द का उपन्यास साहित्य, प्रेमचन्द के उपन्यासों में भारतीय समाज एवं परिवेश ।

UNIT - II

हिन्दी का महिला उपन्यास साहित्य, स्त्री विमर्श की अवधारणा और संभावनाएँ।

UNIT - III

गबन- प्रेमचंद

UNIT - IV

आपका बंटी- मन्नू भण्डारी

सहायक ग्रंथ :

1. प्रेमचंद और उनका युग	- रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन
2. विरासत का सवाल	- शिवकुमार मिश्र
3. हिन्दी उपन्यास एक अंतर्यात्रा	- रामदरश मिश्र
4. उपन्यास के पहलू	- ई. एम. फोस्टर
5. आधुनिक हिंदी उपन्यास	-सं. भीष्म साहनी, राम जी मिश्र, भगवतीप्रसाद निदारिया, राजकमल प्रकाशन
6. मन्नू भण्डारी और आपका बंटी	- डा. मालविका

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

COURSE LEARNING OUTCOME:

After reading this paper, student should have.

- the knowledge about the Upanyas Samrat Premchand and his period.
- the knowledge about the woman novel writer and feminism.
- the comprehensive knowledge of Novel Gaban.
- the extensive knowledge of Novel Aapka Bunty.

SEMESTER-V

10. आधुनिक हिन्दी कविता (1)

Credit-04
Classes-60 hours

Total marks-100
MS+CE=20+20=40
End term-60

COURSE OUTCOME:

Student will learn poetry writing skill and will develop their language and literature skills simultaneously can know the historical and cultural aspects of India through this paper.

UNIT- 1

मैथिलीशरण गुप्त :

यशोधरा

1) घूम रहा है कैसा चक्र,
(2) सखि वे मुझसे कहकर जाते,
3) आर्यपुत्र दे चुके परीक्षा
(4) चुप रह चुप रह हाय अभागे
5) रूदन का हसना ही तो गान

UNIT - II

जयशंकर प्रसाद

1) आँसू - 1 से 20, 2) ले चल मुझे भुलावा देकर

UNIT - III

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला -

1) तोड़ती पत्थर, 2) बादल राग, 3) संध्या सुन्दरी

सुमित्रानंदन पंत –

1) प्रथम रश्मि, 2) ताज

UNIT - IV

महादेवी वर्मा : मैं नीर भरी दुख की बदली, पंथ होने दो अपरिचित, मधुर-मधुर मेरे दीपक जल

पाठ्य पुस्तक :

हिन्दी काव्य संग्रह - सं रामवीर सिंह, के. हि. सं. आगरा

सहायक ग्रंथ :

1. छायावाद	-नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृतियाँ	- नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
3. निराला : आत्महंता आस्था	- दूधनाथ सिंह
4. जयशंकर प्रसाद	- नन्ददुलारे वाजपेयी
5. महादेवी वर्मा	- जगदीश गुप्त

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

COURSE LEARNING OUTCOME:

- Get to learn about the poetries of Maithilisharan Gupt.
- Read and learn about the poetries of Jaishankar Prasad.
- Read and learn about the poetries of Suryakant Tripathi Nirala and Sumitranandan Pant.
- Read and learn about the poetries of Mahadevi Verma.

SEMESTER-V

11. हिन्दी भाषा और भाषा विज्ञान

Credit-04
Classes-60 hours

Total marks-100
MS+CE=20+20=40
End term-60

COURSE OUTCOME:

Without language we cannot communicate our feelings. It is highly essential to develop a language for communication. No doubt many languages are there in this world. For Indians Hindi is a prominent language. To speak and write properly the student should learn different aspects of language. This paper do the same.

UNIT - I

भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप, भाषा परिवर्तन के कारण । लिपि की परिभाषा एवं स्वरूप, भारत में लिपि का विकास, देवनागरी लिपि की विशेषताएँ एवं मानकीकरण।

UNIT - II

भाषा विज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप, ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध।

UNIT - III

दक्खिनी हिन्दी भाषा का साहित्य खड़ी बोली और साहित्यिक भाषा के रूप में हिन्दी का उद्भव और विकास। फोर्ट विलियम कॉलेज की भाषा - नीति

UNIT - IV

हिन्दी के विविध रूप: राजभाषा, राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा, संचार भाषा।

सहायक ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेन्द्रनाथ शर्मा, दीप्ति शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

2. हिन्दी : उद्भव, विकास और रूप - हरदेव बाहरी, किताब महल, नई दिल्ली

3. हिंदी भाषा का इतिहास - धीरेन्द्र वर्मा

4. भाषा और समाज - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

5. भाषा और लिपि का इतिहास - धीरेन्द्र वर्मा

6. आधुनिक भाषा विज्ञान - डा. राजमणि शर्मा

7. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

COURSE LEARNING OUTCOME:

- Read and learn about the language and various types of scripts.
- Read and learn about the connection between language and other streams of knowledge.
- Read the origin and development of various forms of Hindi languageand knowledge about Fort William College.
- Get to know about various forms of Hindi such as official, national, communicative and contact language.

SEMESTER-V

12. भारतीय काव्य शास्त्र

Credit-04
Classes-60 hours

Total marks-100
MS+CE=20+20=40
End term-60

COURSE OUTCOME:

There are certain rules have been made for writing literature. For this figure of speeches are highly essential which attracts the person to read and write literature. For a literature student its very important to learn this. This improves the skill of speaking and writing in the students.

UNIT - I

काव्य लक्षण,काव्य हेतु , काव्य प्रयोजन, शब्द शक्ति।

UNIT - II

रस सिद्धान्त: परिभाषा एवं स्वरूप, रस के प्रकार।

UNIT-III

रीति सिद्धान्त: परिभाषा एवं स्वरूप, रीति के भेद।

UNIT - IV

अलंकार : परिभाषा एवं स्वरूप, प्रमुख भेद, लक्षण एवं उदाहरण; उपमा, रूपक, अनुप्रास, उत्प्रेक्षा, अन्योक्ति यमक, श्लेष, भ्रान्तिमान, अतिसयोक्ति, वक्रोक्ति ।

छंद : लक्षण एवं उदाहरण; दोहा, चौपाई, सवैया, रोला, छप्पय, बरवै, सोरठा, मंदाक्रांता धनाक्षरी, कुंडलिया।

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र

2. भारतीय काव्य शास्त्र - सत्यदेव चौधरी, अलंकार प्रकाशन, दिल्ली

3. भारतीय काव्य शास्त्र - नगेन्द्र, नैशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

4. अलंकार मुक्तावली - देवेन्द्रनाथ शर्मा

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)

- ‘**ख**’ **विभाग**: **पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- ‘**ग**’ **विभाग**: **पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- ‘**घ**’ **विभाग**: **पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

COURSE LEARNING OUTCOME:

After reading this paper, student should have.

- the knowledge about the Indian poetics.
- the knowledge Rasa Sidhant in Indian poetics.
- the knowledge Riti Shidant in Indian poetics.
- the knowledge about the various kind of figure of speeches and metre/verse.

SEMESTER-VI

13. आधुनिक हिन्दी कविता (2)

Credit-04
Classes-60 hours

Total marks-100
MS+CE=20+20=40
End term-60

COURSE OUTCOME:

Student will learn poetry writing skill and will develop their language and literature skills simultaneously can know the historical and cultural aspects of India through this paper.

UNIT - I

राममधारी सिंह दिनकर : जनतन्त्र का जन्म, अभिनव मनुष्य

बच्चन : पथ की पहचान

अज्ञेय : हिरोशिमा, कलगी बाजरे की

UNIT - II

भवानी प्रसाद मिश्र : गीतफरोश, अभिव्यक्ति

नागार्जुन : बहुत दिनों के बाद, प्रेतका बयान

शमशेर बहादुर सिंह एक पीली शाम

UNIT - III

धर्मवीर भारती : कस्बे की शाम, बोआई का गीत

रघुवीर सहाय रामदास

धूमिल मोचीराम

UNIT - IV

कौशल विकास – कविता लेखन

(कक्षा में विद्यार्थी को निश्चित विषय और रूपरेखा दिए जाएंगे । जिसके आधार पर कविता लिखनी होगी और विभाग में जमा करना होगा।)

पाठ्यपुस्तक :

हिन्दी काव्य संग्रह - केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

सहायक ग्रंथ :

1. आधुनिक हिन्दी कविता का विकास - हेतु भारद्वाज
2. कविता के नये प्रतिमान - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. नयी कविता और अस्तित्ववाद - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. समकालीन कविता का यथार्थ - परमानंद श्रीवास्तव

5. समकालीन हिंदी कविता - रवीन्द्र भ्रमर

6. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता में राजनैतिक चेतना - डॉ. उसमान खान

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

COURSE LEARNING OUTCOME:

- Read and learn poetries of Dinkar, Bachhan and Agyen.
- Read and learn poetries of Bhawani Prasad Mishra, Dharamveer Bharti and Nagarjun.
- Read and learn poetries of Dharmveer Bharti, Raghuveer Sahay and Dhumil.

SEMESTER-VI

16. पाश्चात्य काव्य शास्त्र

Credit-04
Classes- 60 hours

Total marks-100
MS+CE=20+20=40
End term-60

COURSE OUTCOME:

Not only Indian but foreign philosophers have given their views regarding literature i.e. aim and objective of literature, tools for the literature etc. There are certain rules have been made for writing Poetic literature. For this figure of speeches are highly essential which attracts the person to read and write literature. For a literature student its very important to learn this. This improves the skill of speaking and writing in the students.

UNIT-1

प्लेटो : काव्य, सत्य और अनुकरण,

अरस्तू के काव्य सिद्धान्त ।

UNIT - II

लोगिनुस : काव्य में उदात्त

विलियम वड्सवर्थ : काव्य संबंधी विचार ।

UNIT - III

मैथ्यू आर्नल्ड : कविता और जीवन, कविता और समाज,

आई.ए. रिचर्ड्स : मूल्य सिद्धान्त ।

UNIT - IV

आभिजात्यवाद , अभिव्यंजनावाद

आधुनिकतावाद , उत्तर-आधुनिकतावाद

सहायक ग्रंथ :

1. पाश्चात्य साहित्य चिंतन - निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र- इतिहास सिद्धान्त और वाद - भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. पाश्चात्य समीक्षा दर्शन - जगदीश चंद्र जैन, हिंदी प्रचारक संस्थान, वारणसी
4. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा - रामचंद्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

1. हिन्दी आलोचना की परिभाषिक शब्दावली -डॉ. अमरनाथ
2. आधुनिक हिन्दी : आलोचना के बीज शब्द -बच्चन सिंह

अंक विभाजन

- **छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे।**
- **'क' विभाग: एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

COURSE LEARNING OUTCOME:

After reading this paper, student should have.

- the knowledge about the approach of Plato and Aristotle on western poetics.
- the knowledge about the approach of Longinus and William Wordsworth on poetry.
- the knowledge about Mathew Arnold's and I.A. Richards's thought on poetry in human life and society.
- the knowledge about Classism Expressionism, Modernism and Post-Modernism.

SEMESTER – VI

15. तुलसीदास: साहित्य और दर्शन

Credit-04
Classes-60 hours

Total marks-100
MS+CE=20+20=40
End term-60

COURSE OUTCOME:

During the medieval period the great poet Tulsidas has played a big role to change the society and bring unity among people. He has the same role in literatutre what social reformer have done through his literature and philosophy.

UNIT-I

तुलसी और उनका युग , तुलसी के भक्ति दर्शन, रामकाव्य की परम्परा और तुलसी ।

UNIT - II

तुलसी की प्रमुख रचनाएँ, तुलसी के नारी सबंधी विचार , तुलसी का समन्वयवाद ।

UNIT - III

पाठ्यपुस्तक: रामचरितमानस: तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर

(अयोध्याकाण्ड पद सं. 1 से 50)

UNIT - IV

विनयपत्रिका : तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर, प्रथम 1- 20 पद

सहायक ग्रंथ :

1. तुलसीदास	- डॉ. माताप्रसाद गुप्त, हिन्दी परिषद प्रयाग
2. तुलसी और उनका युग	- डॉ. राजपति दीक्षित, ज्ञानमण्डल
3. तुलसी आधुनिक वातायन से	- रमेश कुन्तल मे
4. गोस्वामी तुलसीदास की दृष्टि में नारी और उसका महत्व	- ज्ञानवती त्रिवेदी, काशी विश्वविद्यालय प्रकाशन।
5. गोस्वामी तुलसीदास	- रामचन्द्र शुक्ल

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)

- ‘**ग**’ **विभाग**: **पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- ‘**घ**’ **विभाग**: **पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

COURSE LEARNING OUTCOME:

After reading this paper student should have.

- the knowledge about the poet Tulsidas and legacy of Ram kavya.
- the knowledge about the poetries of Tulsidas and his thoughts.
- read and get knowledge on Ramcharitamanas.
- read and get knowledge on Vinayapatrika.

SEMESTER-VII

16. भारतीय साहित्य चिंतन

Credit-04
Classes-60 hours

Total marks-100
MS+CE=20+20=40
End term-60

COURSE OUTCOME:

There are certain rules have been made for writing literature. For this figure of speeches are highly essential which attracts the person to read and write literature. For a literature stuident its very important to learn this. This improves the skill of speaking and writing in the students.

UNIT - I

रस सिद्धांत (रस संप्रदाय) :रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, रस के अंग, रस के प्रकार।

UNIT - II

अलंकार सिद्धांत (अलंकार संप्रदाय) :अलंकार की परिभाषा एवं स्वरूप, अलंकार और अलंकार्य, अलंकार के प्रकार भेद।

UNIT - III

रीति सिद्धांत (रीति संप्रदाय) :रीति की परंपरा, रीति की अवधारणा, रीति और गुण, रीति का वर्गीकरण।

UNIT - IV

ध्वनि सिद्धांत (ध्वनि संप्रदाय) :ध्वनि का स्वरूप, प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के भेद

वक्रोक्ति सिद्धांत (वक्रोक्ति संप्रदाय) :वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण।

संदर्भग्रंथ:

1. भारतीय काव्यशास्त्र - निशाअग्रवाल, लोकभारतीप्रकाशन
2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा - रामचन्द्रतिवारी, लोकभारतीप्रकाशन
3. काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन
4. रस सिद्धांत - डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस्, दरियागंज, नई दिल्ली
5. भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ. सत्यदेवचौधरी, अलंकारप्रकाशन, दिल्ली
6. भारतीय काव्य-शास्त्र की भूमिका - नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)

- ‘**ग**’ **विभाग**: **पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- ‘**घ**’ **विभाग**: **पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

COURSE LEARNING OUTCOME:

After reading this paper, student should have.

- the knowledge about the Indian poetics.
- the knowledge about Rasa Sidhant in Indian poetics.
- the knowledge about Riti Shidant in Indian poetics.
- the knowledge about the various kind of figure of speeches and metre/verse.

SEMESTER-VII

17. हिंदी साहित्य का इतिहास - 1

(आदिकाल, भक्तिकाल)

Credit-04
Classes-60 hours

Total marks-100
MS+CE=20+20=40
End term-60

COURSE OUTCOME:

This paper represents the entire scenario of 1000-1375 Samvat of social changes reformation, culture and history of India. Students will get to know about literature of adikaal and bhaktikaal.

UNIT - I

हिंदी साहित्य का इतिहास दर्शन, हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की प्रमुख पद्धतियाँ,

हिंदी साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रंथ।

UNIT - II

हिंदी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन एवं नामकरण, आदिकाल तथा भक्तिकाल

का उद्भव और विकास और प्रमुख प्रवृतियाँ।

UNIT - III

सिद्ध साहित्य, जैन साहित्य, नाथ साहित्य, रासो साहित्य: बीसलदेव रासो, पृथ्वीराज रासो।

UNIT - IV

निर्गुण भक्ति काव्य :कबीर और जायसी, ज्ञानाश्रयी और प्रेमाश्रयी भक्तिधारा की

विशेषताएँ।

सगुण भक्ति काव्य : सूरदास और तुलसीदास, कृष्ण और राम भक्तिधारा की विशेषताएँ।

संदर्भग्रंथ:

1. साहित्य और इतिहास दृष्टि - प्रो. मैनेजरपाण्डेय, पीपुल्स लिटरेसी, दिल्ली
2. हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3. हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - रामकुमार वर्मा, लोक भारती
6. इतिहास और आलोचना - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन
7. मध्यकालीन भारत राजनीति, समाजऔरसंस्कृति (आठवीं से सत्रहवीं सदी तक) - सतीशचंद्र, ओरियंट लॉग्मैन

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

COURSE LEARNING OUTCOME:

- Understanding the prominent techniques of writing History of Hindi Literature and major books of history of hindi literature.
- Understanding the importance and the basis of the names given to each period of Hindi Literature. Understand the relevance of Bhaktikal and Origin of Bhakti Movement that have influenced medieval Hindi poetry
- Understand the trends, milestones and literary works of Siddh Sahitya, Nath Sahitya, Jain sahitya and Raso Sahitya.
- Familiar with the concepts of Nirgun and Sagun Bhakti Literature.

SEMESTER-VII

18.कथेत्तर गद्य साहित्य

Credit-04
Classes-60 hours

Total marks-100
MS+CE=20+20=40
End term-60

COURSE OUTCOME:

To preserve the eminent persons and their work auto-biography plays a major role in society. Simultaneously when eminent people write their biography, many hidden things is normaly does not come out in public life. Students could able to know these writing and it will be highly beneficial to develop their own personality.

UNIT - I

जीवनी- उद्देश्य, प्रस्तावना, जीवनी का स्वरूप, जीवनी साहित्य : परंपरा और विकास

आवारा मसीहा : विष्णु प्रभाकर

UNIT - II

आत्मकथा-

उद्देश्य, प्रस्तावना, आत्मकथा का स्वरूप, आत्मकथा साहित्य : परंपरा और विकास

अन्या से अनन्या : प्रभा खेतान

UNIT - III

रेखाचित्र - स्वरूप और सीमाएं , रेखाचित्र और संस्मरण में अंतर

'रेखाएँ और रेखाएँ'

संपादक - सुधाकर पाण्डेय, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी , अनुराग प्रकाशन, वारणसी

1) रजिया- रामवृक्ष बेनीपुरी
2) रामा- महादेवी वर्मा
3) एक कुत्ता और एक मैना – हजारी प्रसाद द्विवेदी

UNIT - IV

निबंध-

आधुनिक निबंध संग्रह

संपादक – सुरेश कुमार , केन्द्रीय हिन्दी संस्थान , आगरा

1) नाखून क्यों बढ़ते हैं- हजारी प्रसाद द्विवेदी
2) नये वर्ष के शुभ संकल्प- रामविलास शर्मा
3) अमरनाथ की महायात्रा- कन्हैयालाल नंदन
4) छायावादी काव्य शैली- नामवर सिंह

सहायक ग्रंथ :

1. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार - विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन ।
2. यात्रा साहित्य विद्या : शास्त्र और इतिहास - बापूराम देशाई, विकास प्रकाशन, कानपुर।
3. हिंदी का गद्य साहित्य - रामचंद्र तिवारी
4. आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का विकास और विश्लेषण - डा. विजय मोहन सिंह
5. कथेत्तर गद्य विधाएँ: सिद्धांत और अनुप्रयोग - डॉ. अमूल्य रत्न महांती, प्लैनेट वी,हिंदी बुक सेंटर, बादामबाड़ी, कटक

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

COURSE LEARNING OUTCOME:

After reading this paper, student should have:

- comprehensive knowledge of Hindi biography with Awara Masiha by Bishnu Prabhakar.
- comprehensive knowledge of Hindi autobiography with Anya se Ananya by Prabha Khetan.
- comprehensive knowledge about the sketchs.
- comprehensive knowledge about the essays.

SEMESTER-VII

19 . हिन्दी नाटक और रंगमंच

Credit-04
Classes-60 hours

Total marks-100
MS+CE=20+20=40
End term-60

COURSE OUTCOME:

Drama is a very popular form of Hindi literature. Students will develop their language and literature skills simultaneously can know the historical and cultural aspects of Indian and western form of theatre.

UNIT-1

हिंदी नाटक और रंगमंच का परिचय, भारतीय रंगमंच, पाश्चात्य रंगमंच, जयशंकर प्रसाद का नाट्य साहित्य।

UNIT - II

'आषाढ़ का एक दिन'- मोहन रोकश

UNIT - III

'माधवी'- भीष्म साहनी

UNIT - IV

आधुनिक एकांकी संग्रह सं. सुरेश कुमार, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

1) भोर का तारा- जगदीश चंद्र माथुर

2) औरंगजेब की आखिरी रात- रामकुमार वर्मा

3) जुलूस- कणादि ऋषि भटनागर

4) धीरे बहो गंगा- लक्ष्मीनारायण लाल

सहायक ग्रंथ :

1)नाटककार जयशंकर प्रसाद.-	सं. सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन ।
2)हिन्दी नाटक-	बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
3)आधुनिकता और मोहन राकेश-	डॉ. उर्मिला मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4)आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच-	सं नेमिचंद जैन

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)

- ‘**ख**’ **विभाग**: **पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- ‘**ग**’ **विभाग**: **पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- ‘**घ**’ **विभाग**: **पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

COURSE LEARNING OUTCOME:

After reading this paper, student should have:

- the knowledge about the form of hindi drama and structure of theatre.
- the knowledge about the Indian and western theatre.
- the knowledge about the great hindi drama writer Jaishankar Pasad, Mohan Rakesh and Bhishm Sahni.
- the knowledge about various aspects of Hindi one act play.

SEMESTER-VIII

20.पाश्चात्य साहित्य चिंतन

Credit-04
Classes-60 hours

Total marks-100
MS+CE=20+20=40
End term-60

COURSE OUTCOME:

Not only Indian but foreign Indian philosophers have given their views regarding literature i.e. aim and objective of literature, tools for the literature etc. There are certain rules have been made for writing literature. For this figure of speeches are highly essential which attracts the person to read and write literature. For a literature student its very important to learn this. This improves the skill of speaking and writing in the students.

UNIT - I

प्लेटो : काव्य: सत्य और अनुकरण
काव्य प्रेरणा और काव्य सत्य

अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी, विरेचन सिद्धांत

UNIT - II

लोंजाइनस : उदात्त विवेचन
वर्ड्सवर्थ : काव्यभाषा संबंधी अवधारणा
कॉलरिज : कल्पना सिद्धांत

UNIT - III

क्रोचे : अभिव्यंजनावाद

आई. ए. रिचर्डस : मूल्य सिद्धांत, भाषा संबंधी विचार

मैथ्यू आर्नल्ड : कला और नैतिकता

UNIT - IV

टी. एस. इलियट : परंपरा और वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण

प्रमुख वाद : अतियथार्थवाद, मनोविश्लेषणवाद, द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद, नयी समीक्षा

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1) पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेंद्रनाथ शर्मा, मयूर पेपरवैक्स, नोएडा

2) पाश्चात्य साहित्य चिंतन - निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, न.दिल्ली

3) काव्यशास्त्र - भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

4) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा - रामचंद्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन

5) पाश्चात्य काव्यशास्त्र इतिहास सिद्धांत और वाद - भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन

6) अरस्तु का काव्यशास्त्र - नगेन्द्र, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

7) साहित्य चिंतन - डॉ. राम अवध द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना

8) पाश्चात्य समीक्षा दर्शन - डॉ. जगदीश चन्द्र जैन, हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी

9) पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा - डॉ. नगेन्द्र और डॉ. सावित्री सिन्हा (संपा.) हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली

10) हिन्दी आलोचना की परिभाषिक शब्दावली - डॉ. अमरनाथ

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

COURSE LEARNING OUTCOME:

After reading this paper, student should have:

- the knowledge about the approach of Plato and Aristotle on western poetics.
- the knowledge about the approach of Longinus, William Wordsworth and Coleridge on poetry.
- the knowledge about Croce, Richards and Mathew Arnold's thought on poetry in human life and society.
- the knowledge about surrealism, psychoanalyticism, dialectical materialism and new criticism.

SEMESTER-VIII

21. हिंदी साहित्य का इतिहास - 2
(रीतिकाल, आधुनिककाल)

Credit-04
Classes-60 hours

Total marks-100
MS+CE=20+20=40
End term-60

COURSE OUTCOME:

To know about the indian renaissance through this paper. In changing senario students will learn the changing varieties of literature and its different aspects.

UNIT - I

रीतिकालीन कविता की पृष्ठभूमि, रीतिबद्ध और रीतिमुक्त काव्य और उनकी काव्यगत

विशेषताएँ, प्रमुख रचनाकार तथा उनकी रचनाएँ।

UNIT - II

1857 का स्वतंत्रता संग्राम और हिंदी क्षेत्र का नवजागरण। भारतेंदु और उनका मंडल,

19 वीं सदी की प्रमुख पत्रिकाएँ। भारतेंदुयुगीन साहित्य की विशेषताएँ

UNIT - III

महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, हिंदी नवजागरण और सरस्वति पत्रिका,

द्विवेदीयुग के प्रमुख गद्य लेखक, राष्ट्रीय काव्यधारा और मैथिलीशरण गुप्त।

UNIT - IV

प्रमुख गद्य विधाओं का विकास :- डायरी, पत्र साहित्य, यात्रा वृतांत, आलोचना, पाठालोचन, फीचर लिखन, रिपोर्ताज

विविधवाद : छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता

संदर्भग्रंथ:

1. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ - नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. रीतिकाव्य की भूमिका - डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस
3. हिंदी का गद्य साहित्य - प्रो. रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वारणसी
4. प्रगतिवाद और समानांतर साहित्य - रेखा अवस्थी, मैकमिलन कंपनी आफ इंडिया, दिल्ली - 32
5. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिंदी साहित्य का इतिहास सं.डॉ.नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग
7. हिंदी साहित्य का इतिहास

- प्रो. लक्ष्मीसागर वाष्णैय, लोकभारती प्रकाशन,इल्लाहाबाद

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

COURSE LEARNING OUTCOME:

- Acquire deep understanding of the major traditions and values of reetikaleen poetry. Comprehend the features of Ritikal and understand the social, political, cultural contexts that explicits the development of ritikaleen poetry and also will be able to know more about the sources and trends of Ritikal and about the Ritikaleen poets
- Understand the Modern period – Development of Hindi Literature. Acquire a deep comprehension of the period entering the post modern era
- Contributions made by Mahavir Prasad Dwivedi and the role of saraswati magazine in development of hindi language and literature.
- Imbibe the development of various prose forms and prominent writers – their contribution to the modern writing. Acquire knowledge on the developments pertaining to various streams of prose forms and the contributions extended by the writers in the field of Hindi prose.
- Understanding the various 'ism' of Adhunik kal.

SEMESTER-VIII

22. लोक साहित्य

Credit-04
Classes-60 hours

Total marks-100
MS+CE=20+20=40
End term-60

COURSE OUTCOME:

Students will develop their knowledge about Folk Literature and simultaneously can know the importance of Folk Literature and historical and cultural aspects of Folk Literature.

UNIT-I

लोक का अर्थ, अवधारणा, लोक-संस्कृति, साहित्य एवं लोक का अंतःसंबंध लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ

UNIT - II

लोक साहित्य के प्रमुख रूप

लोकगीत-संस्कार गीत, व्रत गीत, श्रम गीत, ऋतु गीत, जाति गीत लोकनाट्य - रामलीला, रासलीला, कीर्तनियां, स्वाँग, विदेशिया, भांड, तमाशा,नौटंकी

UNIT III

लोक कथा- व्रत कथा, परीकथा

लोक गाथा- ढोला-मारू, लोरिकायन, हीर रांझा, लैला-मजनू

UNIT - IV

ओड़िशा का लोकसाहित्यः लोकगीत, लोकनाट्य, लोक कथा, लोक गाथा
(प्रत्येक में से एक रचना का अध्ययन)

संदर्भग्रंथ:

लोक साहित्य की रूपरेखा -	डॉ.महीपाल सिंह राठौड, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी
लोक साहित्य की भूमिका -	कृष्णदेव उपाध्याय
लोक साहित्य विज्ञान -	सत्येन्द्र
लोकगीति संचयन -	डॉ. कुंजबिहारी दाश
लोक साहित्य तत्व रूप एवं कलारूप-	डॉ. कृष्णचन्द्र प्रधान

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)

- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

COURSE LEARNING OUTCOME:

After reading this paper students should have :

- The Knowledge about Folk Literature of our country as well as our state.
- The Knowledge about the writers and poets of Folk Literature.
- The Knowledge about importance of Folk Literature.

SEMESTER-VIII

23. प्रवासी हिंदी साहित्य

Credit-04
Classes-60 hours

Total marks-100
MS+CE=20+20=40
End term-60

COURSE OUTCOME:

Students will develop their knowledge about Diaspora Hindi Literature and simultaneously can know the worldwide importance of Diaspora Hindi Literature.

UNIT-I

भारतवंशी समाज, प्रवासी हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, प्रवासी हिन्दी साहित्य की प्रमुख रचनाएं/ विधाएं प्रवासी हिन्दी साहित्य की विशेषताएं परिभाषा, संसर्ग से नई शब्दावली, व्याकरण के नये रूप।

UNIT - II

उपन्यास

लाल पसीना — अभिमन्यु अनत

UNIT - III

कविता

होली के रंग — वेद प्रकाश वटुक (अमेरिका)

बर्लिन दीवार / माथे की शिकन / सजा	डॉ० पदमेश गुप्त (ब्रिटेन)
वृक्ष की टहनी पर	मार्तिन हरिदत्त लछमन (सूरीनाम)
क्या मैं परदेसी हूँ	कमला प्रसाद मिश्र (फीजी)

UNIT - IV

कहानी

अभिशप्त	तेजेन्द्र शर्मा (ब्रिटेन)
लाश	सुमन कुमार घई (कनाडा)
जड़ों से काटने पर	कृष्ण बिहारी (अबू धाबी)
घर-वापसी	अर्चना पेन्यूली (डेनमार्क)

संदर्भग्रंथ:

प्रवासी हिन्दी साहित्य : वैश्विक परिदृश्य	डॉ. नवनीत कौर, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकुला
प्रवासी साहित्य का दशा और दिशा	प्रो. प्रदीप श्रीधर
हिन्दी का प्रवासी साहित्य	कमल किशोर गोयनका
प्रवासी हिन्दी साहित्य : स्वरूप और अवधारणा	डॉ. दत्ता कोल्हारे

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)

- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

COURSE LEARNING OUTCOME:

After reading this paper students should have :

- Knowledge about Diaspora Hindi Literature (pravasi hindi sahitya).
- Knowledge about the writers, poets and novelists of Diaspora Hindi Literature (pravasi hindi sahitya).
- Knowledge of history and cultrural aspects of Diaspora Hindi Literature (pravasi hindi sahitya).

SEMESTER-II I

CORE - 2. मध्यकालीन हिंदी कविता
(निर्गुण एवं रामभक्ति काव्यधारा)

Credit-04
Classes-60 hours

Total marks-100
MS+CE=20+20=40
End term-60

COURSE OUTCOME:

As we see many religions in bhakti tends through Indian Philosophy were spread over in this country. In Hindi, poets has taken up those trends and presented the books to the society as per requirement. Students can be able to understand the history and philosophy of India in a creative way.

UNIT – I

निर्गुण भक्ति काव्य का स्वरूप, ज्ञानमार्ग और प्रेम मार्ग, रामभक्ति काव्य का स्वरूप, प्रमुख कवि और प्रवृत्तियाँ

UNIT – II

कबीर -पद संख्या :-

2. रहना नहिं देस बिराना है
4. साधो, देखा जग बौराना
5. तोको पीव़ मिलेंगे

साखी - पद संख्या (1 से 21)

Meena Soni

UNIT-III

मलिक मुहम्मद जायसी -नागमती वियोग –वर्णन (पद संख्या 1 से 15)

UNIT – IV

तुलसी दास -भरत महिमा (पद संख्या 1 से 14)

पाठ्य पुस्तक:

1. हिन्दी काव्य संग्रह, सं. रामवीर सिंह, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

सहायक ग्रंथ :

1. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य -मैनेजर पाण्डेय

2. हिंदी सूफी काव्य की भूमिका -रामपूजन तिवारी।

3. राष्ट्रीय एकता, वर्तमान समस्याएँ और भक्ति साहित्य -कैलाश नारायण तिवारी

4. कबीर की विचारधारा -गोविंद त्रिगुणायत

5. भक्ति काव्य यात्र -रामस्वरूप चतुर्वेदी

Meena Soni

6. तुलसीदास -रामचन्द्र शुक्ल

7. कबीर -हजारी प्रसाद द्विवेदी

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

COURSE LEARNING OUTCOME:

After reading this paper, student should have:

- Learn about the poetry of bhaktikaal.
- They can learn about poetry of Kabir Das.
- They can learn about the Sufi poetry.
- Can learn poetry of Tulsi Das..

Meena Soni

SEMESTER-III

CORE -3.कृष्णभक्ति एवं रीतिकालीन हिन्दी कविता

Credit-04
Classes-60 hours

Total marks-100
MS+CE=20+20
End term-60

COURSE OUTCOME:

This paper aims at making the student aware of Krishna Bhakti Poetry and it's prominent poet namely Raskhan, Bihari and Ghananand.

UNIT - I

कृष्णभक्ति काव्य का स्वरूप, कृष्ण भक्ति के प्रमुख कवि :

सूरदास : विनय के पद-1 से 5
भ्रमरगीत- 6 से 13

UNIT – II

रसखान- पद

3- मानुष हैं तो वही
4- या लकुटि और कमरिया
6- सेस गनेस महेस
10- मोरपखा परि उपर
12- कान्ह भये बस बाँसुरी के

मीरा -

1. बसो मोरे नैनन में नंदलाल
3. माई री! मैं तो लियो गोविन्दो मोल
6. दरस बिन दूखण लागे नैण
8. कोई कहियौरे ! प्रभु आवण की
9. मेरे तो गिरिधर गोपाल दूसरो न कोई

UNIT -III

बिहारी : भक्ति, ऋतु वर्णन, एवं नीति के दोहे (1 से 26)

UNIT - IV

घनानन्द: प्रेम साधना, प्रेम की अनन्यता, उपालंभ के पद (1, 2, 3, 4 और 5)

पाठ्य पुस्तक:

1. हिन्दी काव्य संग्रह, सं. रामवीर सिंह, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

सहायक ग्रंथ :

1. रीतिकाव्य की भूमिका	-डॉ. नरेन्द्र
2. हिंदी साहित्य का उत्तर मध्यकाल	-महेन्द्र कुमार
3. बिहारी	-विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. धनानन्द और स्वच्छन्द काव्य धारा	-मनोहर लाल गौड़

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

COURSE LEARNING OUTCOME:

After reading this paper, student should have:

Meena Soni

- The Knowledge about the Krishna Bhakti Poetry and it's prominent poet.
- The Knowledge about the poetry of Raskhan.
- The Knowledge about the poetry of Biharilal.
- The Knowledge about the poetry of Ghananand.

Meena Soni

SEMESTER-III

4.हिन्दी साहित्य का इतिहास (भाग 2)

Credit-04
Classes-60 hours

Total marks-100
MS+CE=20+20=40
End term-60

COURSE OUTCOME:

To know about the Patriotic Poets, writers and about the warriors who fought for the independence in different ways. In changing sinario students will learn the changing varieties of literature and its different aspects.

UNIT-1

आधुनिक काल की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनैतिक पृष्ठभूमि। गद्य का उद्भव एवं विकास। खड़ीबोली का साहित्य ।

UNIT - II

भारतेंदु युगीन काव्य, द्विवेदी युगीन काव्य तथा छायावादी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

UNIT - III

गद्य की प्रमुख विधाओं का विकास :

क) कहानी का उद्भव और विकास
ख) उपन्यास का उद्भव और विकास

up to this clear

UNIT - IV

क) नाटक, एकांकी, निबंध (उद्भव और विकास)

ख) अस्मिता विमर्श -दलित, स्त्री, आदिवासी विमर्श

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास -आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, काशी

2. हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास -आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास -डॉ. बच्चन सिंह

4. हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी -नन्द दुलारे वाजपेयी, इलाहाबाद

5. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ -रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली

16. हिन्दी दलित साहित्य -मोहनदास नैमिशराय साहित्य अकादेमी ।

7. अस्मितामूलक विमर्ष और हिंदी सहित्य -डॉ. रजत रानी 'मीनू', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

8. समकालीन हिन्दी साहित्य : विविध विमर्श -प्रो. श्रीराम शर्मा

Meera Soni

सहायक ग्रंथ :

1. अनुवाद के भाषिक सिद्धान्त -कैटफोट

2. अनुवाद प्रविधि -प्रो. बालेन्दु शेखर तिवारी

3. अनुवाद के सिद्धांत -आर. आर. रेड्डी

4. अनुवाद: प्रक्रिया एवं प्रयोग -छबिल कुमार मेहेर

5. अनुवाद विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी

6. अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृष्य -रीतारानी पालीवाल

7. अनुवाद सिद्धांत -डॉ. अमूल्य रत्न महांती
कल्याण पब्लिशर्स नई दिल्ली

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

COURSE LEARNING OUTCOME:

After reading this paper, student should have.

- the knowledge about the field of translation.
- the knowledge about the different process of translation.
- the knowledge about the type of translation.
- the practical knowledge of translation from Hindi to English and vice-versa.

Meena Soni

Multi Disciplinary Course-I

COURSE OUTCOME

After reading this paper, student should have:

1. Get to know about the Journalism and prominent journalist.

2. Learn about the development of Hindi journalism.

3. Extensive knowledge on prominent journals like Hans, Alochana, Sahitya Amrit, Naya Gyanodya etc.

4 Get to know editorial and feature writing.

हिन्दी साहित्यिक पत्रकारिता

UNIT- I

पत्रकारिता : परिभाषा एवं स्वरूप, प्रमुख पत्रकार - भारतेंदु, महावीर प्रसाद द्विवेदी, निराला, राजेन्द्र यादव।

UNIT-11

हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास एवं भेद।

UNIT -III

समकालीन प्रमुख पत्रिकाएँ: आलोचना, हंस, साहित्य अमृत, नया ज्ञानोदय आदि।

UNIT-IV

भेटवार्ता, फीचर - लेखन, संपादकीय लेखन।

सहायक ग्रंथ :

1. पत्रकारिता सिद्धांत और प्रयोग- डॉ. दाशरथी बेहेरा, सोनम पुस्तक प्रकाशन, कटक

2. हिन्दी समाचार पत्रों का इतिहास-अम्बिका प्रसाद वाजपेयी

3. हिन्दी पत्रकारिता-राकेश दुबे, शबनम पुस्तक महल, कटक

इंटरनेट :

इंटरनेट: स्वरूप और विकास

इंटरनेटः कार्यप्रणाली, इंटरनेट के संपर्क उपकरणों का परिचय, इंटरनेट एक्सप्लोरर, इंटरनेट की अनुपयुक्तता। लिंक, ई-मेल, ब्राउजिंग, अपलोडिंग, डोनलोडिंग, न्यू मीडिया, वेब पत्रकारिता, ब्लॉगिंग, इंटरनेट रिले चैट, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल।

पाठ्य पुस्तक :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी प्रो. राधकान्त मिश्र, डॉ. अमूल्य रत्न महान्ती, प्लानेट वी, हिन्दी बुक सेंटर, बादामबाडी, कटक

सहायक ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी संरचना और अनुप्रयोग राम प्रकाश, दिनेश गुप्त।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धान्त और प्रयोग दंगल झालते, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

अंक विभाजन

'क' विभाग वस्तुनिष्ठ	दस (10) संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।	1×10-10	10
'ख' विभाग संक्षिप्त	नौ (9) प्रश्न पूछे जाएँगे प्रत्येक को 50 शब्दों में उत्तर लिखना होगा।	2×9=18	18
'ग' विभाग लघु	दस (10) प्रश्न पूछे जाएँगे। उसमें से आठ (8) प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक को 250 शब्दों में लिखना होगा।	5×8=40	40
'घ' विभाग दीर्घ	पाँच (5) प्रश्न पूछे जाएँगे। उसमें से चार (4) प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक को 800 शब्दों में लिखना होगा।	8x4=32	32
			100

4. हिन्दी पत्रकारिता-डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र

5. हिन्दी पत्रकारिता विविध आयाम सं. वेद प्रदाप वैदिक

6. हिन्दी पत्रकारिता सिद्धान्त और स्वरूप- डा. सविता चड्ढा

अंक विभाजन

'क' विभाग वस्तुनिष्ठ	दस (10) संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।	1×10-10	10
'ख' विभाग संक्षिप्त	नौ (9) प्रश्न पूछे जाएँगे प्रत्येक को 50 शब्दों में उत्तर लिखना होगा।	2×9=18	18
'ग' विभाग लघु	दस (10) प्रश्न पूछे जाएँगे। उसमें से आठ (8) प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक को 250 शब्दों में लिखना होगा।	5×8=40	40
'घ' विभाग दीर्घ	पाँच (5) प्रश्न पूछे जाएँगे। उसमें से चार (4) प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक को 800 शब्दों में लिखना होगा।	8x4=32	32
			100

UNIT-I

प्रयोजनमूलक हिन्दी:

प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरूप और परिभाषा, प्रयोजनमूलक हिन्दी के भेद, प्रयोजनमूलक हिन्दी की विशेषताएं, प्रयोजनमूलक हिन्दी की समस्याएं और संभावनाएं

UNIT-II

राजभाषा हिन्दी की सवैधानिक स्थिति:

राजभाषा समिति, 1957, राजभाषा के संबंध में राष्ट्रपति के आदेश, 1952, 1955, 1960, राजभाषा अधिनियम 1963, राजभाषा अधिनियम 1976

UNIT-III

कार्यालयी हिन्दी :

हिन्दी के विविध रूप: राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषा, मातृभाषा, सर्जनात्मक भाषा, राष्ट्रभाषा और राजभाषा में अंतर, मानक हिन्दी

कार्यालयी हिन्दी के प्रकार्य:

आलेखनः परिभाषा, स्वरूप, विशेषता,

प्रारूप टिप्पणः परिभाषा, स्वरूप, विशेषता, प्रारूपण

पत्र लेखन, पल्लवन, संक्षेपण

पारिभाषिक शब्दावलीः पारिभाषिक शब्दावली का स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत, पारिभाषिक शब्दावली के भेद, ज्ञान-विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में प्रयुक्त निर्धारित पारिभाषिक शब्दावली कंप्यूटर का प्रयोग।

हिन्दी में कंप्यूटर का अनुप्रयोग :

कंप्यूटर का परिचय, कंप्यूटर की संरचना, कंप्यूटर के प्रकार, कंप्यूटर की उपयोगिता, हिन्दी में शब्द संसाधन, हिन्दी में डाटा संसाधन, वेब पब्लिशिंग, वेब पेज डिजाइन

Multi Disciplinary Course-II

विज्ञापन अवधारणा और प्रयोजनमूलक आयाम

Credits-3 Full Marks-100 [Continues Evalution 20+Mid Sem.-20+ End. Sem.-60]
Course outcome:

- Students will develop their knowledge about advertisement. In this era making of advertisement has vital role in earning. So that students should know about marketing, brand making, printing and writing articles for radio, newspaper and television.
- Learning Outcome: After reading this paper, students should have:

1. Know about the advertisement, marketing and brand making with sponsored programs.
2. Know about various types of advertisement and advertisement writing for print media, radio and television.
3. Know about the language and speciality of advertisement through hindi language.
4. In making of advertisement they should learn how to write in print media, radio jingle and story book for television.

विज्ञापनः स्वरूप एवं अवधारणा

UNIT-I

(1) विज्ञापन अर्थ व परिभाषा

(II) विज्ञापन का महत्व

(III) विज्ञापन के सामाजिक तथा व्यावसायिक उद्देश्य, मार्केटिंग और ब्रांडनिर्माण

(IV) विज्ञापन के नए संदर्भ (प्रायोजित कार्यक्रम)

AEC

(ABILITY ENHANCEMENT COURSE)

प्रयोजनमूलक हिन्दी

Credits-4 Full Marks-100 [Continues Evalution mark 20+ Mid Sem.-20+ End. Sem.-60]

Course Outcomes:

1. Understand the official language Hindi.

2. Understand the noting and drafting.

3. Understand the drafting, summarizing and letter writing.

4. Understand the application of Hindi in computers and administrative terminology.

Learning Outcomes:

C01. To know about the of official language Hindi and will be able to use it in life.

CO2. To understand about Rajbhasha Hindi, Rule & Regulation, amendments

CO3. Learn about administrative work like noting, drafting, summarizing and letter writing and will use it in life.

CO4, Learn about modern inventions like computers and use them in life.

CO5. Know about administrative terminology and use it in life.

CO6, To know about various forms of Hindi.

CO7. To know about Glossary of Terms/

विज्ञापन: विविध माध्यम

UNIT-II

(1) सामान्य परिचय

(2) विज्ञापन माध्यम का चचन

(3) प्रिन्ट, रेडियो एवं टेलीविजन के लिए कॉपी लेखन

विज्ञापन की भाषा

UNIT-III

(1) विज्ञापन की भाषा का स्वरूप

(II) विज्ञापन की भाषागत विशेषताएँ

(III) विज्ञापन की भाषा के विभिन्न पक्ष, सादृश्य विधान, अलंकरण, तुकांतता, समानांतरता, विचलन, मुहावरे, लोकोक्तियाँ, भाषा संकर

(IV) हिंदी विज्ञापनों की भाषा

UNIT-IV

विज्ञापन निर्माण का अभ्यास

(i) प्रिंट माध्यम वर्गीकृत एवं सजावटी विज्ञापन निर्माण

(ii) रेडियो जिंगल लेखन

AEC

(ABILITY ENHANCEMENT COURSE)

प्रयोजनमूलक हिन्दी

Credits-4 Full Marks-100 [Continues Evalution mark 20+ Mid Sem.-20+ End. Sem.-60]

Course Outcomes:

1. Understand the official language Hindi.

2. Understand the noting and drafting.

3. Understand the drafting, summarizing and letter writing.

4. Understand the application of Hindi in computers and administrative terminology.

Learning Outcomes:

C01. To know about the of official language Hindi and will be able to use it in life.

CO2. To understand about Rajbhasha Hindi, Rule & Regulation, amendments

CO3. Learn about administrative work like noting, drafting, summarizing and letter writing and will use it in life.

CO4, Learn about modern inventions like computers and use them in life.

CO5. Know about administrative terminology and use it in life.

CO6, To know about various forms of Hindi.

CO7. To know about Glossary of Terms/

(iii) टेलीविजन के लिए स्टोरी बोर्ड निर्माण

सहायक ग्रंथ :

1. जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन- विजय कुलश्रेष्ठ

2. जनसंचार माध्यमः भाषा और साहित्य सुधीर पचौरी

3. डिजिटलयुग में विज्ञापन- सुधा सिंह, जगदीश चतुर्वेदी

4. आधुनिक विज्ञापन और जनसंपर्क -डा. तारेश भाटिया

अंक विभाजन

'क' विभाग वस्तुनिष्ठ	दस (10) संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।	1×10-10	10
'ख' विभाग संक्षिप्त	नौ (9) प्रश्न पूछे जाएँगे प्रत्येक को 50 शब्दों में उत्तर लिखना होगा।	2×9=18	18
'ग' विभाग लघु	दस (10) प्रश्न पूछे जाएँगे। उसमें से आठ (8) प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक को 250 शब्दों में लिखना होगा।	5×8=40	40
'घ' विभाग दीर्घ	पाँच (5) प्रश्न पूछे जाएँगे। उसमें से चार (4) प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक को 800 शब्दों में लिखना होगा।	8x4=32	32
			100

SEC

हिंदी अनुप्रयोगः तकनीकी संसाधन एवं उपकरण-1

Credit-02
Classes-30 hours
Total marks-50 MS+CE=10+10=20 Endterm-30

COURSE OUTCOME:

Students interested to work in computer as a profession. They can have practical knowledge on computer and can translate from one language to another language. They can know about various usage of Hindi software.

COURSE OUTCOME:

Students interested to work in computer as a profession. They can have practical knowledge on computer and can translate from one language to another language. They can know about various usage of Hindi software.

खण्ड-1: कंप्यूटर और हिन्दी

इकाई 1: कंप्यूटर और हिन्दी: चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ

इकाई 2: कंप्यूटर में हिन्दी के विभिन्न प्रयोग

इकाई 3: हिन्दी के महत्त्वपूर्ण सॉफ्टवेयर्स

खण्ड-2: हिन्दी भाषा और प्रौद्योगिकी

Multi Disciplinary Course-III

हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन

Credits-3 Full Marks-100 [Continues Evalution 20+Mid Sem.-20+ End. Sem.-60]

COURSE OUTCOME:

After reading this paper, student should have.

1. get to know the origin and development of cinema.

2. get to know about the Pre-Independence Hindi cinema and contemporary Hindi writers and national spirit.

3. Get to know interlink between literature and cinema.

4 Role of Hindi Cinema in the audio-visual mean.

UNIT-I

हिंदी सिनेमा का उद्भव और विकास

UNIT-II

- स्वतंत्रता पूर्व हिन्दी सिनेमा और समकालीन हिन्दी लेखक

- स्वतंत्रता पूर्व हिन्दी सिनेमा में नवजागरण और राष्ट्रीय भावना

- २० वीं सदी में हिंदी सिनेमा की चमत्कारिता, उपलब्धि, प्रभाव

UNIT -III

हिन्दी फिल्मों में हिन्दी भाषा की परिकल्पना साहित्य और सिनेमा में अंतर्संबंध

UNIT-IV

- दृश्य-श्रव्य माध्यम में हिंदी फिल्मों की भूमिका

- हिंदी फिल्मों की भाषा और संगति की सार्वभौमिकता

सहायक ग्रंथ :

1. नया दौर का नया सिनेमा- प्रियदर्शन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. कथाकार कमलेश्वर और हिन्दी सिनेमा- उज्ज्वल अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन
3. सिनेमा के चार अध्या-य डॉ. टी. शशीधरण, वाणी प्रकाशन
4. फिल्म निर्देशन-कुलदीप सिन्हा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5. सिनेमा की संवेदना -विजय अग्रवाल, प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
6. कैमरा : मेरी तीसरी आँख- रघु करमकार, राजकमल प्रकाशन
7. हिन्दी में पटकथा लेखन- ज़ाकीर अली रजनीश, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, लखनऊ

अंक विभाजन

'क' विभाग वस्तुनिष्ठ	दस (10) संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।	1×10-10	10
'ख' विभाग संक्षिप्त	नौ (9) प्रश्न पूछे जाएँगे प्रत्येक को 50 शब्दों में उत्तर लिखना होगा।	2×9=18	18
'ग' विभाग लघु	दस (10) प्रश्न पूछे जाएँगे। उसमें से आठ (8) प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक को 250 शब्दों में लिखना होगा।	5×8=40	40
'घ' विभाग दीर्घ	पाँच (5) प्रश्न पूछे जाएँगे। उसमें से चार (4) प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक को 800 शब्दों में लिखना होगा।	8x4=32	32
			100